Class VII H.W. प्रश्न-उत्तर कॉपी में करो। प्र०/उ० याद करो।
27/5/21

हिन्दी पाठ-2 मनोरम केरल

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

उ०-1. भौगोलिक दृष्टि से केरल में घाटी, पर्वतीय क्षेत्र तथा मैदान के साथ-साथ अरब सागर के तटवर्ती क्षेत्र, नदियाँ तथा तालाब आदि शामिल हैं।

उ०-2. स्वतंत्रता के कुछ ही वर्षों बाद स्वतंत्र भारत में जब सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयासों से छोटी-छोटी रियासतों का विलय होना शुरू हुआ। राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के अंतर्गत 'त्रावणकोर कोचीन राज्य' तथा 'मालाबार' को मिलाकर 01 नवंबर, 1956 को केरल राज्य का मौजूदा स्वरूप अस्तित्व में आया।

उ०-3. केरल में पेरियार नदी के किनारे बने 'पेरियार अभयारण्य' में हाथियों के समूहों को एक साथ घूमते-फिरते तथा विभिन्न क्रिया कलापों में लीन देखना बड़ा ही आनंददायक होता है। पेरियार नदी इस अनूठे सौंदर्य को औरबढ़ा देती है।

उ०-4. केरल में मुख्य रूप से दो प्रकार की जलवायु पाई जाती है। एक ओर समुद्र तट की समशीतोष्ण जलवायु है और दूसरी ओर पहाड़ी स्थल की सुरम्य जलवायु।

उ०-5. केरल में नारियल, रबड़ और काली मिर्च की खेती अधिक मात्रा में की जाती है। अन्य फसलों में केला, सुपारी, हल्दी, जायफल, दालचीनी, लौंग आदि के पेड़ भी विशेष रूप से उगाए जाते हैं। चावल यहाँ की मुख्य फसल है।

Scanned by TapScanner

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

उ०:-1. केरल को 'गॉड्स ऑन कंट्री' अर्थात् 'भगवान का अपना घर या देश' कहा जाता है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य अद्वितीय है। यहाँ दूर-दूर तक समुद्र फैला हुआ है। यहाँ नारियल के वृक्षों की कतारें सुंदरता को बढ़ाती है। यहाँ अनेक प्रकार के झरने बहते हैं। केरल को 'मसालों का घर' भी कहा जाता है। यहाँ का वन्य जीव तथा वातावरण मन को मोह लेता है।

उ०:- 2. केरल की व्युत्पत्ति को लेकर विद्वानों में एकमत नहीं है। कुछ के अनुसार 'चेर स्थल', 'कीचड़' और 'अमल' प्रदेश शब्दों के योग से 'चेरलम' बना, जो बाद में केरल बन गया। केरल शब्द का अर्थ है- वह भू-भाग जो समुद्र से निकला हो। समुद्र तथा पर्वत के संगम स्थल को भी केरल कहा जाता है। मलयालम भाषा में ताड़ के वृक्षों को 'केरा' कहा जाता है। इन वृक्षों की अधिकता के कारण संभवतः इस राज्य को 'केरल' कहा जाता है।

उ०:- 3. ओणम केरल का प्रमुख त्योहार है। केरल के अन्य पर्वों में नौका-दौड़ का भी विशेष आकर्षण है। अप्रैल के महीने में त्रिचुर में वडक्कुमनाथ मंदिर में पूरम त्यौहार मनाया जाता है, इसमें हाथियों सजाकर शोभा यात्राएँ निकाली जाती हैं। यहाँ क्रिसमस और ईस्टर पुंबा नदी के किनारे 'मरामोन सम्मेलन' के रूप में मनाया जाता है। ईद आदि त्योहार भी यहाँ पर बड़े सौहार्द के साथ मनाए जाते हैं।

उ०:- 4. केरल से जुड़ी पौराणिक कथा तथा स्थानीय किंवदंतियों के अनुसार, केरल का संबंध परशुराम से भी है। कहा जाता है कि इक्कीस बार धरती को विजित करने के बाद परशुराम के मन में तपस्या का विचार आया, परंतु वह

Scanned by TapScanner

अपने द्वारा दान दी गई भूमि पर तपस्या नहीं कर सकते थे। तब परशुराम द्वारा समुद्र में अस्त्र फेंकने से एक अस्त्र के आकार का भूमि का टुकड़ा बाहर आया, वही केरल है। इसी टापू पर परशुराम ने तपस्या की।

प्र.5. 'ओणम' केरल का प्रमुख त्योहार है। इसके साथ महाबलि की पौराणिक कथा जुड़ी है। महाबलि केरल के यशस्वी राजा थे। इनकी कीर्ति से इंद्र को ईर्ष्या होने लगी। तब भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण करके राजा बलि से तीन पग जमीन माँगी। वामन ने विराट रूप धारण कर एक पग में पृथ्वी और दूसरे पग में आकाश नाप लिया। तब तीसरा पैर कहाँ रखें। हार कर राजा बलि ने अपना सिर झुका दिया। विष्णु ने अपना तीसरा पैर बलि के सिर पर रखकर उन्हें पाताल भेज दिया। कहते हैं कि साल में एक दिन राजा बलि अपनी प्रजा से मिलने आते हैं और प्रजा अत्यधिक उत्साह से उनका स्वागत करती है।

Scanned by TapScanner